एम. ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (क) – राजस्थानी भाषा और साहित्य

समय : 3 घंटे **उत्तीर्णांक : 36** **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

राजस्थानी निबन्ध संग्रह – सं. डॉ. किरण नाहटा एवं गजादान चारण

लाख पसाव, मिनख अर मानखो, राजस्थानी लोक साहित्य में रुँख, काह चिणावै मैड़िया, हथाई, आज रो समाज, बलि, समय री ऊर्जा, रीस, सुरंगी संस्कृति रा सैनाण, उत्तम खेती मध्यम बाण, ईसरा सो परमेसरा, राजस्थानी जन जीवण में नितनेम, मोटो ठाकर मेह ।

निबन्धों का महत्त्व, तात्त्विक विश्लेषण, भाषा शैली।

इकाई – 2

धरमजुद्ध (नाटक)

नाटक का उद्‌भव और विकास, आधुनिकता बोध, रंगमंचीयता, तात्त्विक विश्लेषण, शिल्प विधान।

इकाई – 3

अचलदास खीची री वचनिका – सं. भूपतिराम साकरिया

वचनिका का अर्थ, साहित्यिक सौन्दर्य, रस–विवेचना, महत्त्व, अचलदास का चरित्र–चित्रण, भाषा–सौन्दर्य।

इकाई – 4

वेलि क्रिसन रुक्मणी री – – पृथ्वीराज राठौड़ (सं. – नरोत्तम दास स्वामी)

(रुक्मणी शृंगार वर्णन, रुक्मणी हरण, युद्ध वर्णन, रुक्मणी–कृष्ण मिलन)

नामकरण, वेलि ग्रन्थों की परम्परा, प्रवृत्तियां, काव्य–सौन्दर्य, कथास्रोत, शृंगार–निरूपण, प्रकृति चित्रण, भक्ति भावना, भाषा शैली, वर्णन की प्रधानता।

इकाई – 5

स्वतन्त्रता री जोत – सं. डॉ. ब्रजनारायण पुरोहित

राष्ट्रीय चेतना, काव्य सौष्ठव, अनुभूति पक्ष, शिल्प विधान।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई से एक चुनते हुए व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	5 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. राजस्थानी भाषा – डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
2. पुरानी राजस्थानी – डॉ. तैस्सीतोरी, अनु. डॉ. नामवर सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. राजस्थानी व्याकरण – सीताराम लालस, जोधपुर
4. संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण – नरोत्तमदास स्वामी, शार्दुल राजस्थान रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
5. पूर्वी राजस्थानी उद्‌भव और विकास – डॉ. कन्हैयालाल शर्मा
6. राजस्थानी भाषा साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7. राजस्थानी भाषा का सर्वेक्षण – अनु. डॉ. आत्माराम जासोरिया, राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर
8. राजस्थानी हिन्दी शब्दकोश भाग : 2 – डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9. ढोला मारू का दूहा एक अध्ययन – डॉ. कृष्ण बिहारी सहल, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली
10. राजस्थानी वेलि साहित्य – डॉ. नरेन्द्र भानावत, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
11. राजस्थानी गद्य उद्‌भव और विकास – सं. डॉ. शिवकुमार शर्मा(अचल), शार्दुल राजस्थान रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
12. राजस्थानी साहित्य का इतिहास – डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, प्रका. केन्द्रीय साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
13. राजस्थानी और हिन्दी के कुछ साहित्य सन्दर्भ – प्रका. राजस्थान प्रचार सभा, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
14. वेलि क्रिसन रुकमणी री – सं. डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित, विश्व विद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
15. अचलदास खीची री वचनिका – सं. डॉ. मुकुन्दनारायण पुरोहित